हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 9 अप्रैल 2024

09 अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने को प्रशासन अलर्ट

10 सांसद की घोषणा के बाद गांव की मांगें नहीं हुई पूरी

खबर संक्षेप

आज 12 बजे तक बाधित रहेगा सड़क मार्ग

कनीना। कनीना-अटेली सड़क मार्ग पर रेवाड़ी-बीकानेर रेलवे क्रॉसिंग फाटक पर वार्षिक मरम्मत कार्य के चलते नौ अप्रैल को दोपहर 12 बजे तक सड़क मार्ग बाधित रहेगा। वरिष्ठ सेक्सन इंजीनियर ने वाहन चालकों को मरम्मत के चलते वाहन चालक इस दौरान वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी।

महिला से छेड़छाड़ व मारपीट का मामला दर्ज

मंडी अटेली। गांव में नाली साफ करते समय गलत तरीके से छेड़छाड़ व मारपीट का केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि वह घर के सामने नाली साफ कर रही थी तभी उसे अकेला देखकर गलत नीयत से उसके साथ छेड़छाड़ की तथा बाल पकड़कर नीचे गिरा दिया। उसके बाद अपनी बेटे की बहू सहित उसका सारा परिवार आ गया। तब वह बिल्कुल अकेली थी।

खेत से पानी की मोटर चोरी के 3 आरोपी काबू

नारनौल। सदर पुलिस ने तीन आरोपित राजबीर वासी चुडिना थाना पचेरी, सोनू वासी संघेल उजीला थाना नूहं व सत्यम उर्फ छोटू वासी बहेटाखास थाना तालीग्राम जिला कन्नौज हाल आबाद आजाद नगर कॉलोनी धारूहेड़ा को गिरफ्तार किया। जिन्हें कोर्ट से रिमांड पर लिया गया। आरोपितों ने बताया कि रेकी कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपितों के पास से रेकी करने में प्रयोग की गई बाइक बरामद कर जब्त की है।

दो दिन के लिए फिर खुला पोर्टल

नारनौल। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 27 फरवरी को कॉमन यूनिवर्सिटी एडमिशन टेस्ट अधिसूचना जारी की। सीयूईटी यूजी पंजीकरण व आवेदन फॉर्म की अंतिम तिथि पांच अप्रैल थी। इसके बाद करेक्शन के लिए पोर्टल भी खोल दिया गया था, लेकिन एनटीए ने गत दिवस देर शाम को दो दिन के लिए पोर्टल पुन खोलने की सूचना अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की है। अब यूजी पंजीकरण के लिए नौ व 10 अप्रैल को पोर्टल खुला रहेगा।

स्कूल गया था शिक्षक बंद मकान में चोरी

नारनौल। शहर के आदर्शनगर में बंद मकान में चोरी की वारदात का पता चला। सिटी पुलिस ने केस दर्ज किया है। पीजी कॉलेज के पीछे आदर्श नगर में रहने वाले अध्यापक प्रकाशेन्द्र सिंह ने बताया है कि वह रावमावि मुकन्दपुरा में कार्यरत है। छह अप्रैल की शाम को स्कूल के बाद घर वापस आया तो दरवाजे टूटे मिले। सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर दो साने की चुड़िया, मंगल सूत्र सोने का दो तोला, एक सोने की अंगूठी पांच ग्राम, दो जोड़ी पायजेव चांदी की, एक चांदी का गिलास, एक चांदी की गले की चेन, दो चांदी के सिक्के, 57 हजार रुपये की नकदी गायब मिली।

दो दिन बाद खरीद शुरू, कहीं शेड्यूल जारी तो कहीं टोकन नहीं देने के लगे नोटिस

खरीद में व्यापारियों को तवज्जो देने का आरोप लगा भड़के किसान, एडीएम ने संभाली स्थिति

नांगल में किसानों ने काटा बवाल, नारनौल में आज नहीं कटेंगे गेटपास, महेंद्रगढ़ व कनीना में लगी वाहनों की लंबी कतारें, सरसों की फसलों से अंटी मंडिया, महेंद्रगढ़ व कनीना में वाहनों की लाइनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। मंडी में किसानों की समस्या सुनते एसडीएम मयंक भारद्वाज, महेंद्रगढ़ में टोकन लेने के लिए लाइन में लगे किसान और नारनौल में बंपर आवक से सरसों से अटी अनाज मंडी।

मंडी में सोमवार सुबह आठ बजे आए किसानों की सरसों शाम पांच बजे तक नहीं खरीदी गई। आक्रोशित किसानों ने आरोप लगाया की व्यापारियों के साथ मिलीभगति करके टीनशेड के चारों ओर ढेरियां करवाई गई हैं। कमेटी दिनभर उन्हीं की सरसों खरीदने में जुटी रही। जिससे आक्रोशित किसानों ने हंगामा कर दिया। सूचना पाकर मौके पर आए एसडीएम मयंक भारद्वाज ने हैफेड के प्रबंधक सुनील चौधरी को तलब किया। उन्हें खरीद में तेजी लाने व पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए हैं। बची हुई ढेरियों को देर शाम तक खरीदने की हिदायत दी।

मेघोत हाला, कमानिया, धौलेड़ा, दोस्तपुर, नांगल नूनिया के किसानों ने बताया कि मंडी में सुबह आठ बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली व पिकअप में सरसों लेकर आए थे। जहां भी खाली जगह मिली वहीं ढेरियां लगा दी तथा कमेटी को टोकन व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करके खरीदने की गुहार लगाई गई, लेकिन दिनभर एक ही टीनशेड के चारों ओर खरीद होती रही, शाम को दो बजे सरसों लेकर आए ट्रैक्टरों ने भी उसी तरफ ढेरी लगा दी। एक ट्रैक्टर में 120 से अधिक बैग थे, जिन्हें हाथोंहाथ खरीद लिया गया। किसानों ने आरोप लगाया कि सौदागरों को टीनशेड के बाहर चारों तरफ ढेरी लगाने की हिदायत दी गई है। किसानों ढेरियां शेड के बीच में लगी हुई हैं। जहां तक पहुंचने की आड़ लेकर कमेटी की ओर से शेड के बाहर सौदागरों की सरसों खरीदी जाती है। एक ट्राली दोपहर के करीब 1:30 बजे मंडी में आई थी। जिसकी सरसों को 3:30 बजे खरीद लिया गया। जिसकी भनक लगने पर किसानों ने प्रशासन व सरकार विरोधी नारेबाजी करना आरंभ कर दिया। आरोप लगाया कि 50 से 100 रुपये प्रति क्विंटन से सुविधा शुल्क वसूली होती है, यह शुल्क मिलते ही व्यापारी को ढेरी पास की रसीद मुहैया करवा दी जाती है। दूसरी ओर किसानों को दिनभर इधर-उधर भटकना व अधिकारों की मन्नतें करनी पड़ रही है।

शिकायत मिलने पर 4:30 बजे एसडीएम मयंक भारद्वाज मंडी में पहुंचे और किसानों की समस्या सुनी व टोकन व गेट पास की सीनियरटी के अनुसार खरीद करने की हिदायत दी। देर शाम तक कंप्लीट किसानों की सरसों खरीदकर उन्हें घर भेजने के निर्देश दिए। जिससे संतुष्ट किसान वापस ढेरी पर लौट गए एसडीएम ने कहा कि खरीद प्रक्रिया में धांधली किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। जिन किसानों की ढेरी नमी व अन्य मापदंडों पर फिट है, उसे तत्परता से खरीदना होगा। ढेरी पर वास्तविक किसान ही मौजूद होना चाहिए, ताकि धांधली की संभावना नहीं रहे। उन्होंने एजेंसी को लिफ्टिंग व तुलाई की प्रक्रिया को रफ्तार देने के निर्देश दिए।

शेड्यूल लागू नहीं होने से बढ़ी परेशानी, सरसों से अटी मंडियां

नारनौल। सोमवार को नारनौल मंडी में सरसों की बंपर आवक रही। किसान सवेरे सात बजे से ही लाइनों में लग गए थे। मंडी में 800 से ज्यादा किसानों के आने का आंकलन है,

जो करीब 16000 क्विंटल सरसों लेकर मंडी पहुंचे। सोमवार को मार्केट कमेटी विभाग के चीफ इंजीनियर राजेश कुमार ने भी दौरा किया और नारनौल मंडी का जायजा किया। उन्होंने किसानों एवं मार्केट कमेटी के अधिकारियों से बातचीत की तथा किसानों को समस्या नहीं आने देने के दिशा-निर्देश दिए। मंडी में सरसों की बंपर आवक होने से अब पुनः खरीद रोक दी गई है। मंगलवार को मंडी में गेट पास नहीं काटे जाएंगे। ऐसे में मंगलवार को भी सोमवार को आई सरसों की ही खरीद की जाएगी। मंडी के हालात ऐसे हैं कि मंडियों में और सरसों डालने को जगह नहीं बची है। मंडी में ट्रेक्टर-ट्राली एवं अन्य वाहन अब भी सरसों से लदे खड़े हैं। खरीद एजेंसी के मैनेजर रोशन लाल ने बताया कि सोमवार को सरसों की आवक पिछले दिनों से कुछ ज्यादा रही है। इस दिन भी पुरानी सरसों के साथ-साथ आज आई सरसों की भी खरीद की गई है। मंडी में देर शाम तक 13,798 क्विंटल सरसों की खरीद की जा चुकी है और खरीद अब भी जारी है। गौर हो कि खरीद का शेड्यूल लागू नहीं करने से बार-बार खरीद रोकी जा रही है। जब तक तीन बार मंडियों में खरीद रोकी जा चुकी है। नारनौल मंडी में खरीद शेड्यूल बना था, लेकिन उसे बाद में रद कर दिया गया। बिना शेड्यूल के अब किसान गांवों से भारी संख्या में मंडी में पहुंच रहे हैं, जिस कारण अव्यवस्था बनी हुई है।

पूर्व डिप्टी स्पीकर ने किया अनाज मंडी का दौरा, लिया जायजा

मंडी अटेली। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव ने अटेली अनाज मंडी का दौरा किया। इस अनाज मंडी में किसान सरसों की फसल

लेकर आए हुए थे। उन्होंने किसानों की समस्याओं को जाना। किसानों ने अपनी फसल के बारे में संतोष यादव से वार्तालाप कर मंडी में उठान धीमी गति से होने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसान को अपनी फसल की ढेरी की जगह न मिलने के कारण किसान परेशान है। बोली को लेकर इंतजार हो रहा है। संतोष यादव ने कहा कि आने वाले दिनों में किसान के द्वारा लाई गई, उसकी फसल खरीदी जाएगी। अनाज मंडी में आए किसानों ने भी खरीद को लेकर अपनी संतुष्टि जताई वह सोसायटी के अधिकारियों के प्रति सकारात्मक किसानों के प्रति अपनाया जा रहा है। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष मार्केट कमेटी कर्मवीर, वाइस चेयरमैन सुभाष गुप्ता, सतीश यादव, भूपेश कुमार, संदीप सेठ, अरविंद कुमार आदि मौजूद थे।

सोमवार तक 640 किसानों ने फसलें बेचने में दिखाई रुचि

मंडी अटेली। सोमवार को अनाज मंडी में सबसे अधिक 640 किसानों ने अपनी फसल बेचने में रुचि दिखाई, जिसमें 12295 क्विंटल सरसों की मंडी में आवक रही। जो टीनशेड के बाहर रखे हुए बैग हैं, उनको ट्रैकों द्वारा हैफेड के गोदाम में भेजा गया। सोमवार को 12,000 बैग की लिफ्टिंग हो पाई। अभी भी अनाज मंडी में 40 परसेंट सरसों फड़ पर लगी हुई है। अभी भी लिफ्टिंग का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। अगर लिफ्टिंग कार्य तेजी से नहीं हो पाया तो कल किसानों को अपनी फसल रखने के लिए जगह उपलब्ध नहीं हो पाएगी। ठेकेदारों ने बताया कि हमारी तरफ से हमने सभी कट्टों को सील कर रख दिया, पर ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था सही नहीं होने की वजह से यह कट्टे लिफ्टिंग नहीं हो पा रहे हैं। दोनों टीनशेड पूरी तरह से भरे हुए हैं। कल के दिन हमें भी वजन करने व सिलाई करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अभी भी किसानों का माल टीनशेड के बाहर पड़ा हुआ है।

जिले की मंडियों में आज नहीं काटे जाएंगे टोकन

नारनौल। अनाज मंडियों में अधिक मात्रा में सरसों आने के करण नौ अप्रैल को जिले की सभी अनाज मंडियों में किसानों को टोकन जारी नहीं किए जाएंगे। अब 10 अप्रैल से इन मंडियों में सुचारू रूप से रबी फसल के लिए टोकन जारी किए जाएंगे। इस दिन पहले ही जारी हो चुके टोकन की फसल खरीदी जाएगी, साथ ही उठान कार्य में तेजी लाई जाएगी। नए टोकन जारी नहीं होंगे। ऐसे में नौ अप्रैल को किसान मंडी में अपनी फसल लेकर न आएं। डीसी मोनिका गुप्ता ने बताया कि जिले की सभी मंडियों में अधिक मात्रा में सरसों आने के कारण उठान कार्य प्रभावित हो रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को सभी मंडियों में टोकन जारी न करने का फैसला लिया है। इस दौरान पहले बची हुई सरसों की खरीद व उठान कार्य किया जाएगा। मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे इस दिन अपनी फसल को लेकर मंडियों में न आएं।

दो दिन बाद खरीद शुरू, उमड़े किसान, वाहनों की लंबी कतार

महेंद्रगढ़। दो दिन बाद अनाज मंडी में सोमवार को सरसों खरीद शुरू होने पर मंडी में किसानों की भीड़ उमड़ गई। इसके अलावा रेलवे रोड व किसानों की वाहनों की लंबी कतार लग गई। किसानों के वाहनों के कारण रेलवे रोड पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहीं। इसके अलावा डीसी के आदेशनुसार मंगलवार को अनाज मंडी में खरीद प्रक्रिया बंद रहेंगी। महेंद्रगढ़ में सरसों की आवक ज्यादा होने के चलते दो दिन खरीद प्रक्रिया बंद रखी गई थी। इन दो दिनों में मंडी में उठान का कार्य किया गया था। सोमवार को खरीद प्रक्रिया शुरू होने पर किसान सुबह हीं अपने वाहन लेकर अनाज मंडी पहुंच गए। जिसके चलते रेलवे रोड पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। सोमवार को 737 किसानों को गेटपास दिया गया, जिसके बाद सरसों की भी खरीद की गई। सोमवार को 53822 क्विंटल सरसों मंडी पहुंची है। वहीं 5140 क्विंटल सरसों का उठान किया गया। सरसों की ज्यादा आवक होने से सभी ढेरियों की खरीद नहीं हो पा रही है। दूसरी तरफ एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू हो गई है, लेकिन किसी भी मंडी में गेहूं की आवक शुरू नहीं हुई है। अभी गेहूं की कटाई का कार्य जोर शोर से चल रहा है। ऐसे में 10 से 15 दिन में सरसों की आवक शुरू होने की संभावना है। सरसों की लगातार आवक व खरीद हो रही है। अभी सरसों की ज्यादा आवक होने से सभी ढेरियों की खरीद नहीं हो पा रही है। वहीं उठान भी धीमी गति से चल रहा है।

किसानों से बातचीत

गांव निहालावास निवासी किसान मनोज कुमार ने बताया कि वह सुबह छह बजे ही अनाज मंडी में सरसों लेकर पहुंच गया था, लेकिन 11 बजे तक नंबर नहीं आया है। इसके अलावा अनाज मंडी में किसानों के लिए बैठने के लिए भी उचित व्यवस्था नहीं है। जिस कारण तेज धूप में लाइन में लगकर टोकन लेने को मजबूर है। प्रशासन को किसानों के बैठने के लिए व्यवस्था करनी चाहिए। गांव जांजडिवास निवासी किसान अजय ने कहा कि वह सुबह ही सरसो लेकर मंडी पहुंच गया था। वह अपने वाहन में 50 क्विटंल सरसों लेकर आया था और कांटा भी 50 क्विटंल था। लेकिन मंडी में 40 क्विटंल सरसों खरीदी गई है। 10 क्विंटल सरसों को वह वापस लेकर जाएंगा। इसके अलावा मंडी में प्रशासन द्वारा पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं की गई है।

कनीनाः किसानों की सरसों खरीद के लिए शेड्यूल जारी

नारनौल। सरसों की सरकारी खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य 5650 रुपये प्रति क्विंटल व आठ क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम 25 क्विंटल की खरीद की जाएगी। यह जानकारी देते हुए सचिव व कार्यकारी अधिकारी मार्केट कमेटी नुकूल यादव कनीना ने बताया कि किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े इसलिए सरसों की खरीद गांवों के रोस्टर के हिसाब से की जाएगी। जिन किसानों ने अपना रजिस्ट्रेशन ई-खरीद में मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर करवाया हुआ है, केवल वहीं किसान नई अनाज मंडी चेलावास में अपनी सरसों लेकर आएं। उन्होंने बताया कि गेट पास कटवाने के लिए किसान अपना आधार कार्ड की फोटो प्रति अवश्य साथ लेकर आएं। यदि कोई किसान बिना शेड्यूल के मंडी में फसल लाता है तो उसकी सरसों नहीं खरीदी जाएगी।

गांव वाइज शेड्यूल

कनीना मार्केट कमेटी सचिव नुकूल यादव ने बताया कि 10 अप्रैल को बेवल, भड़फ, चेलावास, छितरोली, ढाणा, कैमला तथा 11 अप्रैल को बागोत, दौंगड़ा अहीर, गाहड़ा, गोमला, कलवाड़ी, कपुरी गांवों की सरसों खरीद की जाएगी। इसी प्रकार 12 अप्रैल को भोजावास, धनौंदा, ईसराना, ककराला, कनीना, करीरा गांव की सरसों खरीद की जाएगी। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को गांव अगिहार, दौंगड़ा जाट, गोमली, गुढ़ा, झाड़ली, झिगावन गांव की सरसों खरीद की जाएगी।

कनीना। सड़क मार्ग पर लगी सरसों के वाहनों की कतार। फोटो : हरिभूमि

कनीना में सरसों बेचने वाले किसानों की लगी ढाई किमी. लंबी लाइन

कनीना। मंडी में सोमवार को सरसों बेचने आए किसानों के वाहनों की करीब ढाई किलोमीटर लंबी लाइन लग गई। मंडी गेट चेलावास से लेकर कनीना-महेंद्रगढ़ सड़क मार्ग पर उन्हाणी के समीप तक लगी लाइन के चलते वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क जाम की समस्या उत्पन्न न हो इसके लिए पुलिस कर्मचारी पसीना बहाते रहे। सुबह से ही सरसों से भरे ट्रैक्टर-ट्राली, पिकअप आने से लंबी कतार लग गई।

जिससे कनीना-अटेली मार्ग रेलवे क्रॉसिंग फाटक के समीप कई बार सड़क जाम के हालात बने। जिस पर डायल 112 पर कार्यरत पुलिस कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था बहाल करवाई। सोमवार को करीब 25 हजार क्विंटल सरसों की खरीद की गई। खरीद अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार को करीब 25 हजार क्विंटल सरसों की खरीद की गई। खरीदी गई सरसों में से 22 हजार क्विंटल का उठान कर स्टेट वेयर हाउस के गोदाम में रखवाया गया है।

मार्केट प्रशासन हुआ सख्त तो व्यापारियों ने लगाए आरोप

मार्केट कमेटी प्रशासन की ओर से मंडी में आने वाले किसानों को कांटे सहित जो बुनियादी सुविधाएं दी गई वे कुछ लोगों को रास नहीं आ रही हैं। जिसके चलते वे कभी धर्मकांटे के वजन में कमी निकाल रहे तो कुछ मंडी सुपरवाइजर व चतुर्थ श्रेणी कर्मी पर किसानों से रिश्वत लेने जैसे आरोप जड़ रहे हैं। इन सब आरोपों की तह तक जाने का प्रयास किया तो मामला कुछ अलग ही निकला।

व्यापारियों की चोरी पकड़कर वसूला जुर्माना तो लगाए आरोप

मार्केट कमेटी सचिव नुकूल यादव ने बताया कि बीते समय मंडी के व्यापारी नरेंद्र कुमार, सुनील कुमार, रमेश कुमार, श्रीभगवान सरसों, ओम फीड मील व पशु रतन फीड केयर की ओर से मक्का फसल पर कुल 10190 रुपये मार्केट फीस की चोरी की जा रही थी। जिस पर नोटिस जारी किए गए थे। जिनसे 10710 रुपये जुर्माने के साथ मार्केट फीस चोरी की वसूली की गई थी।

एक्टिव 62 आढ़तियों में से 24 को जारी किए नोटिस

इस कार्रवाई को लेकर व्यापारी कर्मचारियों पर आरोप लगा रहे हैं। इतना ही नहीं मार्केट कमेटी के रिकॉर्ड के मुताबिक मंडी में रजिस्ट्रड 62 व्यापारियों में एक्टिव रहे 23-24 व्यापारियों के गोदामों की चैकिंग करने के लिए सचिव ने नोटिस जारी किया हुआ है। जिससे वे तिलमिलाए हुए हैं। वहीं छह अप्रैल को जारी किए नोटिस का जवाब नहीं मिल सका है। सचिव ने बताया कि 27 व्यापारियों के स्टॉक पॉजिशन की जानकारी मांगी गई है। जिसके चलते उन्होंने कनीना में बने अपने गोदाम में सरसों रखने के बजाए अब गांवों में स्टॉक करने सूचना मिल रही है। जिस पर छापेमारी की जाएगी।

धक्का देते समय नीचे आने से ट्रक चालक की मौत

नारनौल। बीती रात्रि को नांगल चौधरी के समीप एक सीएनजी पंप पर बंद ट्रक को स्टार्ट करने के लिए धक्का मारते वक्त धक्का दे रहा व्यक्ति संतुलन बिगड़ने पर गिरने से ट्रक के नीचे आ गया और उसकी मौत हो गई। मृतक पटियाला जिले का रहने वाला था। नांगल चौधरी पुलिस ने सोमवार प्रातः जिला नागरिक अस्पताल पहुंचकर शव का पोस्टमार्टम कराया तथा उसे परिजनों को सौंप दिया। नांगल चौधरी में चौधरी तेलाराम फिलिंग स्टेशन बूढ़वाल पर एक ट्रक ईंधन लेने पहुंचा। ईंधन लेने उपरांत वह ट्रक स्टार्ट नहीं हुआ। जिस कारण वहां मौजूद लोगों से ट्रक को धक्का मारकर स्टार्ट करने का प्रयास किया गया। जब धक्का लगाया जा रहा था, तब राड की वजह से संतुलन बिगड़ने पर करीब 39 वर्षीय देवेंद्र सिंह वासी दीपनगर जिला पटियाला पंजाब राज्य ट्रक के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना शनिवार रात्रि करीब दस बजे की है। ट्रक मालिक उमाशंकर उर्फ साजन ने बताया कि देवेंद्र ट्रक का ड्राइवर था, लेकिन पंप पर ट्रक स्टार्ट नहीं हुआ। तब वहां कुछ और लोगों की मदद से ट्रक को धक्का देकर स्टार्ट करने का प्रयास किया जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। रविवार प्रातः मृतक के पिता भागसिंह एवं अन्य रिश्तेदार घटनास्थल पहुंचे तथा जायजा लेने उपरांत पुलिस को बयान दर्ज कराए। पुलिस ने कार्रवाई करने उपरांत शव का नारनौल के जिला नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराया तथा उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक अपने पीछे एक नाबालिग लड़का छोड़ गया है। यह घटना पंप के सीसीटीवी कैमरे में भी रिकार्ड है।

ब्लैक फिल्म वालों के काटे चालान

नारनौल। वाहनों के शीशे पर काली फिल्म लगाकर घूमने वालों के खिलाफ पुलिस ने एक अप्रैल से सात अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया गया। विशेष अभियान के तहत पुलिस ने एक सप्ताह में 128 वाहनों के 10-10 हजार रुपये के चालान किए गए और मौके पर इन वाहनों की काली फिल्म उतरवाई गई। काला शीशा लगे वाहनों का उपयोग अक्सर आपराधिक गतिविधियों के लिए होता है। अपील करते हुए कहा कि वे यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें और उनकी अनदेखी न करें। डीएसपी मोहिंद्र सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व अपराध पर रोक लगाने के लिए यातायात पुलिस हर समय सड़कों पर तैनात रहती है। उन्होंने बताया कि वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने हेतु समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है। यातायात नियमों की उल्लंघना करने वालों के चालान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

आज से चैत्र नवरात्र होंगे प्रारंभ, 17 अप्रैल को अंतिम नवरात्रा

मंदिर सजकर तैयार, बाजार भी हुए गुलजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

चैत्र नवरात्र आज से आरंभ हो रहे हैं और इस बार चैत्र नवरात्रों को लेकर बाजार भी सज गए हैं। शहर के मुख्य बाजारों में पूजन सामग्री के साथ-साथ अन्य जनरल स्टोर पर लोगों ने खरीददारी आरंभ कर दी है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व नौ अप्रैल से आरंभ होगा और 17 अप्रैल को समाप्त होगा। इसके लिए शहर के मंदिरों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजा दिया गया हैं। इसके अलावा सोमवार को बाजारों में नवरात्र उत्सव के लिए लोगों ने पूजन सामग्री की जमकर खरीदारी की हैं। बाजार में पूजन सामग्री की दुकानें सज गई हैं।

शहर के सब्जी रोड स्थित प्राचीन देवी जी का मंदिर, गांव सिसोठ स्थित मां भूरा भवानी का मंदिर, खुडाना स्थित माता चिल्लाय देवी का मंदिर, माता संतोषी देवी मंदिर सहित शहर एवं गांव अनेक मंदिरों को चैत्र नवरात्र को लेकर सजा दिए गए हैं। बाजारों में भी लोग नवरात्र के लिए जमकर खरीदारी करते नजर आए। लोगों ने पूजा-पाठ पंचमेवा, रूई, रोली, सिंदूर, अगरबत्ती, कुमकुम, इत्र, दीपक, आरती की थाली, कुशा, जौ, तिल के, माता का प्रसाद, चुनरी, सिंदूर,

कलश, नारियल, चुनरी, घी, धूप बत्ती, अगरबत्ती लौंग, सुपारी, कपूर सहित पूजन सामग्री खरीद रहे हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज ने बताया कि चैत्र नवरात्र को लेकर महिलाएं नौ अप्रैल से नवमी तक दुर्गा सप्तशति का पाठ करेंगी। वहीं अन्य मंदिरों में सुबह व शाम को पूजन किया जाएगा। नौ अप्रैल को व्रत करने वाले अपने घर में कलश स्थापित करेंगे और मां भगवती का पूजन करेंगे। उन्होंने बताया कि नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा शक्ति की नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा आराधना की जाती है। जिसमें मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, माता सिद्धिदात्री की उपासना होती है। इन नौ दिनों में माता के व्रत-उपासना की जाती है। दुर्गा सप्तशती और दुर्गा चालीसा व माता के विभिन्न स्त्रोत का पाठ किया जाता है। उन्होंने बताया कि नौ अप्रैल को सुबह 7:31 तक पंचक रहने वाला है। इसके बाद ही घट स्थापना करना शुभ रहेगा। इसलिए इससे पहले घट स्थापना (कलश स्थापना) न करें। कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 9:17 से सुबह 10:52 तक रहेगा। इसके बाद अभिजित मुहूर्त में दोपहर 12:02 से दोपहर 12:52 तक रहेगा। कलश स्थापना के साथ ही इस दिन जौ भी बोये जाते हैं जो कि जीवन में वृद्धि और सफलता का संकेत लेकर आते हैं। उन्होंने बताया कि शुभ मुहूर्त में किया गया कार्य पूजा अनुष्ठान हमेशा ही सफल होता है।

सहेली

चैत्र नवरात्र विशेष

चैत्र नवरात्र वसंत के समय आता है, ऐसे में जहां प्राकृतिक परिवर्तन पुराने आवरण को त्यागकर नएपन को वरण करने का संदेश देता है, वहीं मां शक्तिस्वरूपा की पूजा-अर्चना से मन में व्याप्त दुर्बलता को मिटाने, नवशक्ति-नवऊर्जा के आह्वान की कामना का शुभ अवसर भी प्राप्त होता है। इसीलिए स्त्रियां इस पावन अवसर पर पूरी आस्था से मां भगवती की आराधना करती हैं, अपने और अपनों के जीवन में नवचेतना का संचार करती हैं।

मन की शक्ति जुटाने का पावन पर्व

आवरण कथा / डॉ. मोनिका शर्मा

प्रकृति के नएपन और उल्लास के बीच चैत्र नवरात्र, मन में नव ऊर्जा जगाने का माध्यम बनते हैं। नव उल्लास लिए आस्था के ये नौ दिन मां शक्ति को साधने का अवसर तो हैं ही, स्वयं अपने मनोबल को जुटाने के दिन भी हैं। ईश्वरीय आस्था की ओज और मन का बल पाने के इन उत्सवीय दिनों को स्त्रियां बेहद प्रेम और उत्साह के साथ मनाती हैं। उपवास, अनुष्ठान, अपनों की कुशलता की कामना और मां आदिशक्ति की उपासना। सब कुछ मन से जुड़ा सा। अपनेपन को पोसता सा। कठिनाइयों पर जीत और सुख के दौर में संयमित रहने की चाह लिए। नवरात्र में स्त्रियां, मां भगवती से हर जद्दोजहद, हर परिस्थिति में विजयी होने का आशीष मांगती हैं।

मन का सकारात्मक रुख

नवरात्र में मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है, यह मान्यता भर नहीं है। इन नौ दिनों में मन सचमुच सकारात्मक रुख अपना लेता है। उपासना के नियम जीवन में अनुशासन ले आते हैं। घर में सकारात्मक ऊर्जा दस्तक देती है। सब कुछ अच्छा होने का विश्वास प्रबल होता है। खिले-खिले प्राकृतिक परिवेश में यह महापर्व आस्था और विश्वास के जरिए मन की असीम शक्तियों से मिलवाता है। महिलाएं, नव पल्लवों से सज रहे कुदरत के पोर-पोर और इठलाती धरा के इस मौसम में उल्लासमयी ऊर्जा और सकारात्मक सोच पाने का आह्वान करती हैं। आस-पड़ोस की स्त्रियां मिलकर भी कई साझे अनुष्ठान करती हैं। घर-परिवार के साथ-साथ परिवेश और समाज की खुशहाली की भी कामना करती हैं। स्त्रीमन में मौजूद यह साझा भाव मां शक्ति के और करीब ले जाता है। महादेवी की उपासना के इस पर्व को मनाते हुए उनका मन प्रफुल्लता, स्फूर्ति और तेजस्विता से भर उठता है। असल में जीवन के हर पक्ष पर मौजूद परिस्थितियां महिलाओं को गहराई से प्रभावित करती हैं। यही वजह है कि उनकी आस्था भी साझे सरोकार से जुड़ी होती है।

नई शुरुआत का अवसर

चैत्र नवरात्र से ही हिंदू नव वर्ष, नवसंवत्सर की शुरुआत होती है। नव वर्ष की शुरुआत का यह दिन सृष्टि के आरंभ का भी दिन माना जाता है। इस समय प्रकृति भी मन जीवन की नई चेतना जगाने का संदेश देती नजर आती है। पेड़ों पर फूटती कोपलें समझाती हैं कि पतझड़ के बाद नयापन भी दस्तक देता है। जीवन के इन बदलते रंगों को स्त्रियां बखूबी समझती हैं। कभी मन का हरापन तो कभी हालात का रूखापन। कभी रिश्तों की बदलती परिभाषा तो कभी समाज के सख्त बंधन। माता-पिता का घर छोड़ अपनी गृहस्थी बसाने से लेकर प्रसव पीड़ा झेलकर नया जीवन पाने तक, महिलाएं जीवन में कई बार नई शुरुआत करती हैं। नएपन के प्रति मन में सहज स्वीकार्यता रखती हैं। मौसम की बदलती करवट के साथ आने वाला माता भगवती के पूजन का यह उत्सव भी मन-

जीवन को नएपन से जोड़ता है। जड़ता और ठहराव को दूर करती ऊर्जा का संचार करते वासंतिक नवरात्र, चेतना और सजगता के साथ नई शुरुआत करने का संदेश देते हैं। स्त्रियां भी उम्र और परिस्थितियों के मुताबिक माता दुर्गा से नई शुरुआत की दिशा में आगे बढ़ने और जागृत सोच को व्यावहारिक धरातल पर उतारने का मानसिक बल और आशीष मांगती हैं।

मन-जीवन के धरातल से जुड़ा पक्ष

स्त्रियों की सोच और बर्ताव दोनों जीवन के व्यावहारिक पक्ष से जुड़े होते हैं। उनकी यह समझ समाज और परिवार की धुरी है। जीवन को वास्तविक धरातल पर पोसती है। समझना जरूरी है कि नवरात्र का पर्व सिर्फ धार्मिक आस्था से ही नहीं, जीवन के बहुत से व्यावहारिक पहलुओं से भी जुड़ा है। नौ दिन के उत्सवीय अनुष्ठान के पीछे वैज्ञानिक चिंतन लिए तार्किक पक्ष भी शामिल है। *'सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते'* यानी 'हे मां आप सब कुछ शुभ करने वाली हैं, आप कल्याणकारी हैं, आप सबके मनोरथों को पूरा करने वाली हैं, आप शरण ग्रहण करने योग्य हैं। हे नारायणी आपको हमारा प्रणाम हैं।' इस मंत्र के कल्याणकारी भाव का वास्तविक रूप जीवन में देखने को मिलता है। हर साल ऋतु परिवर्तन के इस समय कई तरह के मौसमी रोग फैलते हैं। नवरात्र में खान-पान का अनुशासन और सबकी कुशल कामना से जुड़ा आस्था का भाव इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। प्रार्थना, जप और ध्यान हर इंसान को भय, अवसाद, कटुता और नकारात्मक विचारों से दूर रखते हैं। सात्विक आहार, उपवास और सधी दिनचर्या शरीर और मन को विषमुक्त करती है। विचार और व्यवहार का यह अनुशासन इस मौसमी बदलाव के दौर में भी स्वस्थ और सक्रिय रहने की ऊर्जा देता है। ऐसी स्थितियां हर मनोरथ को पूरा करने वाली परिस्थितियां बनाती हैं। सभी के लिए कल्याणकारी साबित होती हैं।

हौसला जुटाने का अनुष्ठान

मां के रूप में स्वयं महिलाओं को भी अपने बच्चों को हिम्मत के साथ जीना सिखाना होता है। परिस्थितियों से जूझने का पाठ पढ़ाना होता है। ऐसे में इस महापर्व पर आस्था और विश्वास से भरे मन की असीम शक्तियों को साधते हुए महिलाएं जीवन रण में जीतने का आशीर्वाद भी मांगती हैं। सब कुछ संभालते स्वयं को बचाए रखने का बल जुटाती हैं। नया रचने, सीखने और समझने के कामों से जुड़े रहने की चाह रखने वाली स्त्रियां जीवन के हर मोर्चे पर खुद को साबित करने का हौसला चाहती हैं। दायित्वों के निर्वहन की भाग-दौड़ में अधिकतर स्त्रियां अपनी शक्ति को भुला बैठती हैं। अपने ही गुणों की उपेक्षा करती हैं। संबंधों को सहेजने के लिए उनका संवेदनशील मन झुकना-सहना सीख जाता है। दुखद है कि कई बार इन मानवीय गुणों का मोल नहीं समझा जाता। ऐसे में स्वयं के लिए लड़ने की दरकार होती है। नकारात्मकता का प्रतिकार आवश्यक हो जाता है। अपनी शक्ति को समझने का जतन जरूरी लगने लगता है। महिलाएं, मां भगवती से अपने इसी सामर्थ्य को पहचानने का वर मांगती हैं। मान्यता है कि नवरात्र में मां शक्ति की पूजा कर प्रभु श्रीराम ने भी शक्ति जाग्रत की थी। यही कारण है कि मां गौरी की उपासना का यह उत्सव आध्यात्मिक और पारंपरिक पर्व तो है ही, अपने सामर्थ्य को पहचानने का पावन अनुष्ठान भी है।

आत्मसम्मान के साथ हासिल करें अपना मुकाम

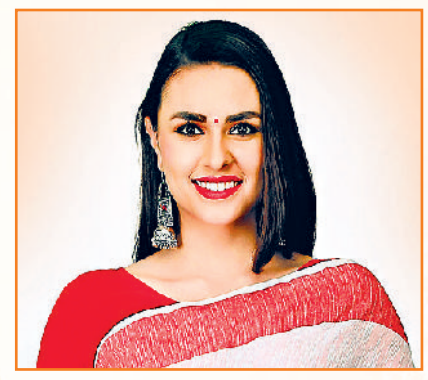

आत्मप्रेरणा / शिखर चंद जैन

कई महिलाएं अच्छी-खासी पढ़ी-लिखी और काबिल होती हैं, लेकिन अकसर अपने परिवार, अपनी सोसायटी और वर्कप्लेस पर लोगों के सामने दबी-सहमी सी रहती हैं। ये महिलाएं 'लो' फील करती हैं, दूसरों के सामने कुछ कहने में हिचकती हैं। इन्हें लगता है कि अपने विचार रखने पर कहीं उनकी छवि मुंहफट या झगड़ालू महिला की न बन जाए। यहां यह भी समझना होगा कि अगर आप यह सोचती हैं कि अपने स्वाभिमान-आत्मसम्मान और अस्तित्व को बनाए रखने के लिए मुखर होने, लड़ाई-झगड़े करने या शोर मचाने की जरूरत होती है, तो ऐसा कुछ नहीं है। आप कुछ बातों का ध्यान रखकर विनम्रता के साथ अपना आत्मसम्मान बनाए रख सकती हैं, स्ट्रॉन्ग और सक्सेसफुल वूमेन बन सकती हैं।

खुद को न समझें कमतरः अकसर होममेकर या वर्किंग वूमेन भी खुद को कमतर आंकती हैं। चाहे हॉबी हो या खान-पान की पसंद, अपनी च्वाइस को दरकिनार कर अपने परिवार के सदस्यों की पसंद को ही महत्व देती हैं। कभी-कभी ऐसा करना व्यावहारिक भी है और उचित भी। लेकिन अगर आप हमेशा कंप्रोमाइज करके अपनी पसंद की कुर्बानी देती रहेंगी तो धीरे-धीरे घर के दूसरे लोग आपको 'टेकेन फॉर ग्रांटेड' लेंगे और वे सिर्फ अपने बारे में सोचेंगे। जाहिर है, तब आपकी पसंद-नापसंद के बारे में न कोई पूछेगा और न ही उसे खास तवज्जो देगा। इससे आप अपने आपको अपमानित और उपेक्षित महसूस करेंगी।

कंफर्ट जोन में रहने की आदत छोड़ें: याद रखें, कामयाबी की राह कभी आसान नहीं होती। अगर आपको आगे बढ़ना है, समाज-परिवार में सम्मान पाना है, तो आराम और सुविधा से ही सब कुछ हासिल करने के प्रयास आपके लिए नुकसानदायक होंगे। हमेशा कंफर्ट सिचुएशन में रहने की बजाय आपको उन कामों के लिए मेहनत करनी होगी, जिनसे आप आगे चलकर मजबूत बनें और खुद को स्थापित कर सकें। इसके लिए आपको क्रिएटिव और मेहनती बनना होगा, आगे बढ़कर लोगों के बीच अपनी पहचान कायम करनी होगी।

अपने प्रियजनों का रखें ध्यानः कई बार हम अतिरेक में या ओवर कॉन्फिडेंस में ऐसे लोगों की उपेक्षा करने लगते हैं, जो हमारी जिंदगी में अहम जगह रखते हैं। अपने नजदीकी संबंधियों और मित्रों को कभी नजरअंदाज न करें। ये लोग ही आपके अच्छे और बुरे समय में आपके साथ आकर खड़े होंगे। ये आपके सपोर्ट सिस्टम का खास हिस्सा होते हैं, यही आपको सही सलाह देते हैं। इसलिए जिंदगी में आगे बढ़ते रहने के लिए अपने रिश्ते मजबूत रखने जरूरी हैं।

अपने अंतर्मन की सुनें: अगर किसी सिचुएशन या व्यक्ति के बारे में आपका दिल कुछ कहता है, तो अपने दिल की बात सुनें। अंतर्मन की आवाज कभी गलत नहीं होती, आपको उस पर पूरा भरोसा करना चाहिए। जब आप खुद पर यकीन करना सीख जाएंगी, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाएगा, दूसरे लोग भी आप पर यकीन करेंगे।

वित्तीय मामलों में रहें आत्मनिर्भर

आप घरेलू महिला हैं, आपको छोटे-छोटे खर्चों के लिए घर के पुरुष सदस्यों के सामने हाथ फैलाना पड़ता है, तो सबसे पहले इस स्थिति से बाहर निकलें। यदि आपको घर के काम से जरा भी फुर्सत नहीं मिलती है तो खुलकर कह दें कि आपको हर महीने एक निश्चित रकम पति या बेटा बिना मांगे दें। यदि ऐसा नहीं हो तो आप घर के कुछ काम दूसरों के जिम्मे सौंपकर अपना आत्मसम्मान बनाए रखने के लिए अपनी आय के स्रोत बनाकर वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनें। भले ही आप कोई फुलटाइम जॉब न करें, लेकिन कम से कम इतना जरूर करें, जिससे आपकी नियमित आय हो, इससे आपके छोटे-मोटे खर्चे पूरे होंगे। ऐसा कोई भी काम आप घर से भी कर सकती हैं।

अच्छे और बुरे समय में आपके साथ आकर खड़े होंगे। ये आपके सपोर्ट सिस्टम का खास हिस्सा होते हैं, यही आपको सही सलाह देते हैं। इसलिए जिंदगी में आगे बढ़ते रहने के लिए अपने रिश्ते मजबूत रखने जरूरी हैं।

अपने अंतर्मन की सुनें: अगर किसी सिचुएशन या व्यक्ति के बारे में आपका दिल कुछ कहता है, तो अपने दिल की बात सुनें। अंतर्मन की आवाज कभी गलत नहीं होती, आपको उस पर पूरा भरोसा करना चाहिए। जब आप खुद पर यकीन करना सीख जाएंगी, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाएगा, दूसरे लोग भी आप पर यकीन करेंगे।

नवरात्र के दौरान कई लोग पूरे नौ दिन व्रत रखते हैं। अगर आप भी व्रत रख रही हैं तो इस दौरान अपनी डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या का आपको सामना न करना पड़े।

व्रत के दौरान रखें अपनी डाइट का ध्यान

डाइट सजेशन

आशु गुप्ता, डाइटीशियन

नवरात्र में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने के साथ ही आप व्रत भी जरूर रखेंगी। लेकिन अगर आप पूरे नौ दिनों तक व्रत रखने वाली हैं तो आपको अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा, इसके लिए व्रत के दौरान आपको सही और पौष्टिक आहार लेना चाहिए। इससे आपको डाइजेशन संबंधी कोई परेशानी नहीं होगी और आप हेल्दी और एनर्जेटिक भी महसूस करेंगी। व्रत के दौरान कैसी हो आपकी डाइट, आपके लिए जरूरी सजेशन-

डेयरी प्रोडक्ट्स : नवरात्रों के दौरान व्रत में खाने योग्य कई तरह के स्नैक्स मार्केट में मिलने लगते हैं। लेकिन इनमें से कई स्नैक्स हेल्थ के लिए फायदेमंद नहीं होते हैं। इनके बजाय आप डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन कर सकती हैं। आप दही खा सकती हैं या दूध पी सकती हैं, इससे आपको व्रत में पाचन संबंधी परेशानी नहीं होगी। कुछ लोग दूध का शेक बनाकर पी लेते हैं। इससे बहुत ज्यादा कैलोरी इनटेक होने की वजह से आपको लूज मोशन होने की आशंका रहती है। इसलिए इसके बजाय सादा गुनगुना दूध ही पिएं।

खूब पानी पिएं : मौसम में बढ़ती गर्मी को देखते हुए आपको व्रत के दौरान पानी की उचित मात्रा पीने की आवश्यकता होती है।

इसलिए आप पूरे दिन में दो से तीन लीटर पानी जरूर पिएं। इससे आपकी बॉडी हाइड्रेट रहेगी और पानी की कमी की वजह से होने वाली प्रॉब्लम्स से आप बची रहेंगी। व्रत में बॉडी हाइड्रेट रहती है तो शरीर को ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है।

ड्राय फ्रूट्स : आप जानती ही होंगी कि सूखे मेवे यानी ड्राय फ्रूट्स में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को हेल्दी रखने में बहुत सहायक होते हैं। इसलिए व्रत के दौरान आप ड्राय फ्रूट्स भी खा सकती हैं। लेकिन ध्यान रहे कि आप मेवों को सूखा न खाकर इन्हें कुछ देर के लिए पानी में भिगोने के बाद खाएं। सूखे मेवे शरीर में ड्रायनेस बढ़ा देते हैं लेकिन जब आप इन्हें भिगोकर खाती हैं तो इनकी तासीर बदल जाती है और ये ज्यादा फायदेमंद साबित होते हैं।

फ्रूट्स-वेजिटेबल्स: अगर आप नवरात्र में पूरे नौ दिन व्रत रखने वाली हैं तो इस बात का ध्यान रखना होगा कि इस दौरान शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी न हो जाए। इसके लिए व्रत के दौरान आपको फल और सब्जियों का सेवन करते रहना चाहिए। फलों में खरबूजा और तरबूजा आप खा सकती हैं। अगर आप इनको खाएंगी तो आपके शरीर में पानी की कमी पूरी होने के साथ आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा। इनके अलावा आप अन्य फलों जैसे सेब, अंगूर, संतरा या केले का भी सेवन कर सकती हैं। इसी तरह आप सलाद भी खा सकती हैं। एक प्लेट ताजी सब्जियों का सलाद आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। इसमें मौजूद पोषक तत्वों की वजह से आपको कमजोरी नहीं महसूस होगी। सलाद में आप खीरा, टमाटर, चुकंदर, ककड़ी, गाजर आदि खा सकती हैं। अगर आप कुछ चटपटा खाना चाहती हैं तो फलों और सब्जियों की चाट बनाकर भी खा सकती हैं।

प्रस्तुतिः निधि गोयल

परवरिश / सरस्वती रमेश

बेटियों को सशक्त बनाना ही है असली कन्या पूजन

नवरात्र में हम कन्या पूजन कर बेटियों को सम्मान देते हैं। लेकिन क्या इस तरह सिर्फ सम्मान कर देना काफी है? या इस असुरक्षित समय में अपनी बेटियों, परिवार, पड़ोस की बच्चियों को मां दुर्गा के समान ही शक्ति-पुंज बनाने की जरूरत है? निश्चित ही बेटियों को सशक्त बनने की जरूरत है। इसके लिए हमें रखना होगा कुछ बातों का विशेष ध्यान-

भेदभाव न करें: हमारे घर-परिवार और समाज में बेटे-बेटी की परवरिश में आज भी भेद किया जाता है। बेटा है तो क्रिकेट, फुटबॉल खेलने बाहर जाएगा। बेटी है तो घर के अंदर ही गुड्डे-गुड़ियों से खेलेगी। समाज की एक और सोच लड़कियों को फिजिकली फिट रहने से रोकती है। यह सोच है उछल-कूद करने वाली, दौड़ने-भागने वाली लड़कियां अच्छी नहीं मानी जातीं। इसी सोच के चलते कठोर और आसान कार्यों के बीच विभाजन हुआ और लड़कियों को बचपन से ही चूल्हा-चौके की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार किया जाने लगता है। इस तरह बचपन से ही लड़कियों का शारीरिक विकास अवरुद्ध होने लगता है। साथ ही वो बाहरी दुनिया से बिल्कुल कट जाती हैं। अब ये स्थितियां बदल रही हैं, लेकिन अभी मंजिल बहुत दूर है। इस बार नवरात्र में जब कन्या पूजन करें तो अपनी बच्चियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने का भी प्रण लें। ताकि वे आस-पास फटकने वाले खतरों से निपटने के लिए शारीरिक रूप से सक्षम बनें।

शिक्षा से सशक्तिकरणः एक शिक्षित स्त्री अपने भीतर की शक्तियों को अच्छे से पहचान कर घर-परिवार, समाज के विकास में योगदान देती है। अपने अधिकारों और कर्तव्यों को भली प्रकार जानती है। इसलिए कन्या पूजन के साथ कन्या शिक्षण भी जरूरी है। अपनी बेटियों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएं।

लोगों को परखना सिखाएं: जहां अच्छाई है, वहां बुराई भी होगी। लेकिन बुराई से डरकर अपनी बच्चियों को घरों में कैद कर लेना बुद्धिमानी नहीं है। उन्हें बुराई की पहचान करने के लिए जागरूक बनाना होगा। किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाना होगा। जिस तरह मां दुर्गा ने बुराई का अंत करने के लिए त्रिशूल उठाया, इसी तरह हमें अपनी बेटियों को भी आत्मरक्षा के लिए साहस, शक्ति का हथियार चलाने की सीख देनी होगी।

जब हम इन बातों को ध्यान में रखकर अपनी बेटियों की परवरिश करेंगे, तभी सार्थक होगा शक्ति का पूजन और कन्या पूजन।

रेसिपी

ओम प्रकाश गुप्ता

आज से चैत्र नवरात्र आरंभ हो रहे हैं। आपने आज व्रत रखा होगा और आने वाले दिनों में भी व्रत रखेंगी। इसीलिए इस बार हम आपको व्रत के दौरान खाने के लिए कुछ पौष्टिक-स्वादिष्ट फलाहार व्यंजनों की रेसिपी बता रहे हैं।

नवरात्र में बनाएं व्रत वाले फलाहार

साबूदाना पोटेटो पकोड़े

सामग्रीः मध्यम आकार के उबले आलू-200 ग्राम, राजगिरे का आटा-100 ग्राम, बारीक कटा अदरक-1/2 छोटा चम्मच, बारीक कटा हरा धनिया-1 बड़ा चम्मच, बारीक कटी मिर्च-2, नीबू का रस-1 छोटा चम्मच, पिसी काली मिर्च-1/2 छोटा चम्मच, सेंधा नमक-स्वादानुसार, घी-तलने के लिए

विधिः आलुओं को छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। घी छोड़कर बाकी सारी सामग्री आलुओं के साथ मिला लें। कड़ाही में घी गर्म करें। चम्मच की सहायता से आलुओं को पकोड़ों की तरह कड़ाही में डाल कर मीडियम फ्लेम पर सुनहरा होने तक तलें। अब पकोड़े निकालें और व्रत वाली हरी चटनी के साथ गर्म-गर्म सर्व करें।

राजगिरा स्वीटी

सामग्रीः राजगिरा -3/4 कप, दूध-2 कप, कंडेंस्ड मिल्क-1/3 कप, कटा पिस्ता-2 छोटे चम्मच, आधा कटे बादाम-2 बड़े चम्मच, इलायची का पावडर-चुटकी भर

विधिः सबसे पहले राजगिरे को 2 कप पानी में डालकर 4 सीटी आने तक प्रेशर कुकर में उबालें। आंच बंद कर कुकर का प्रेशर अपने आप निकल जाने पर उसमें दूध मिलाकर गाढ़ा होने तक धीमी आंच पर चलाते हुए पकाएं। अब कंडेंस्ड मिल्क और इलायची पावडर मिलाकर 2 मिनट और पकाएं। इसे बाउल में निकालें। ऊपर से कटा पिस्ता और बादाम डाल कर सर्व करें।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

खबर संक्षेप

ट्रेन में मोबाइल फोन चोरी का केस दर्ज

रेवाड़ी। जीआरपी थाने में श्री गंगानगर एक्सप्रेस में एक यात्री का मोबाइल फोन चोरी होने का केस दर्ज किया गया है। फरीदाबाद की बसेलवा कॉलोनी निवासी रवि कुमार ने जीआरपी को दर्ज शिकायत में बताया कि श्री गंगानगर एक्सप्रेस से तिलकब्रिज जाते समय उसका फोन रेवाड़ी से कुछ दूर पहले चोरी हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी फोन का कोई पता नहीं चल सका। फरीदाबाद जीआरपी से मिली जीरो एफआईआर के आधार पर केस दर्ज किया गया है।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पदैयावास में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 27 मार्च को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में आरोपी पदैयावास निवासी विनोद कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

महिला का नकदी व जेवरात का बैग चोरी

रेवाड़ी। दिल्ली से रिंगस ट्रेन में जा रही एक महिला का नकदी व जेवरात का बैग चोरी हो गया। जीआरपी को दर्ज शिकायत में गोरखपुर के सिटी रावत सहजनवा निवासी दिनेश ने बताया कि पत्नी के साथ ट्रेन में रिंगस जाते हुए उसकी पत्नी का बैग रेवाड़ी व जेरपुर पाली के बीच चोरी हो गया।

बाइक चोरी करने के आरोप में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन एरिया से 6 फरवरी को बाइक चोरी करने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बावल निवासी जोनी की बाइक एक निजी अस्पताल के बाहर से चोरी हो गई थी। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद आरोपी का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे।

बावल में मकान के अंदर से बाइक चोरी

बावल। आनंद नगर में चोर एक मकान में खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में राजस्थान के भांडारेज निवासी मुरारी ने बताया कि वह आनंद नगर में किराए के मकान में रहता है। उसने अपनी बाइक रात को मकान के अंदर खड़ी की थी। सुबह उसकी बाइक गायब मिली। तलाश के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला।

नवरात्रों पर विशेष: सज गए माता के मंदिर, चलेगा पूजा-अर्चना का दौर

महासर माता मंदिर में नवरात्रों पर आज से शुरू होगा मेला

मेले में चैत्र माह के नवरात्रों के शुरू होने पर भक्तगण समापन 17 अप्रैल तक मांगते हैं मन्नतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। नवरात्रों के उपलक्ष्य पर गढ़ी-महासर स्थित माता का सजा हुआ मंदिर।

क्षेत्र के गांव गढ़ी-महासर स्थित महासर माता का नवरात्रों के प्रारंभ पर आज मंगलवार से माता की पूजा अर्चन शुरू हो गई है। मेले में चैत्र माह के नवरात्रों के शुरू होने पर भक्तगण समापन 17 अप्रैल तक तक अपने मन्नतें मांगते हैं। माता के दरबार में से जात-जडूले ज्यादा उतारे जाते हैं तथा नवमी तक यह सिलसिला जारी रहता है। इस स्थान को लेकर क्विंदती है कि इस स्थान पर दुर्गा माता मंदिर में पांडवों ने अपना खोया हुआ वैभव पाने के लिए द्वारिकाधीश के आदेश पर पर पूजा अर्चना की थी। इस मेले में आसपास के क्षेत्रों के ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न कोनों से श्रद्धालु भक्त आकर माता के दरबार में अपनी मन्नतें मांगते हैं। वर्तमान में माता के स्थान पर सिद्धपीठ मां महासर दुर्गा माता मंदिर निर्माण मंडल की ओर से भव्य मंदिर का निर्माण करवा दिया है। महासर मंदिर निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्रीधर गुप्ता ने बताया कि वैष्णो देवी की तरह ही पिंडी रूप में प्रकट हुई थी। यह मंदिर करीब एक हजार साल पुराना है। इस मंदिर का जीणारेद्वार का कार्य जनवरी 2010 में शुरू हुआ था, जो अब भव्य रूप से बन गया है। मंदिर में साल के दो नवरात्रों में भव्य मेले लगते है तथा देश के विभिन्न कोनों से लाखों भक्त श्रद्धापूर्वक यहां आकर अपनी मन्नते मांगते हैं। संजय शास्त्री ने बताया कि मंदिर में आने वाले भक्तजनों की सुविधा के लिए मंदिर के समीप साल के हर दिन भंडारा चलता रहता है। माता के स्थान पर शतचंडी यज्ञ भी नौ दिनों तक चलेगा। माता मंदिर में स्थित जोहड़ को सरोवर में बनाया गया है इसके अलावा मेन गेट का भव्य द्वारा भी स्थापित कर दिया है। दूर-दराज से माता के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी व असुविधा न हो इसके लिए मंदिर के नजदीक पोखर के नजदीक तीन मंजिला वाली वातानुकूलित धर्मशाला बनी हुई है। धर्मशाला में पूजा अर्चना के लिए भगवती भवन बनाया हुआ है। ट्रस्ट की मंदिर के साथ बने जोहड़ को सरोवर बना दिया गया है। स्थान को सौंदर्यकरण में चार चांद लगाने की योजना है। भक्तगण भगतवी भवन व धर्मशाला के मैनेजर रूपेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंघल, चमन गोयल, संजय अग्रवाल कांटी, रिंकी सिंघल आदि ने बताया कि इस मंदिर में आस-पास के गांवों के अलावा देश के विभिन्न स्थानों से लाखों की संख्या में भक्त गण यहा आकर अपनी मन्नतें मांगते हैं।

सप्तमी पर लगता है भव्य मेला

मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए संतोष चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीधर गुप्ता ने बताया साढ़े पांच हजार वर्ष पहले लाक्ष्य गृह में पांडवों को जलाने पर विदूर नीति से पांडव बाहर निकले थे तथा श्री कृष्ण के कहने पर जीवन में सफलता व अच्छे जीवन व्यतीत के लिए 51 शिव की पीठ है तथा 51 ही सिद्ध देवी की पीठ का दर्शन करने पर आपको लाभ व सुख मिलेगा। साथ ही आर्यवर्त (भारत) की भौगोलिक जानकारी व दूसरी जानकारी मिलेगी। उसके बाद पांडवों ने सबसे पहले वैष्णो देवी व महेश्वरी पीठ का दर्शन किया था। उसके बाद पांडवों ने महासर माता के दर्शन किये थे। चैत्र मास की शुक्ल पंचमी को माता पिंडी के विशेष दर्शन होने पर सप्तमी पर भव्य मेला भरता है। अक्षय तृतीय को मंदिर का निर्माण प्रारंभ हुआ तथा साल में नवरात्रों में दो बार माता का मेला भरता है। अब देश के विभिन्न कोनों से मात के स्थान पर भक्तगण आकर अपनी मिन्नौती मांगते है।

भव्य रूप से मनाई जाएगी अंबेडकर जयंती

■ 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती मनाने पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। आंबेडकर भवन में बैठक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन में डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति के तत्वाधान में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रणजीत सिंह ने की। रणजीत सिंह ने प्रस्ताव लिखने का अधिकार रोशनलाल निंबल को दिया तथा लेखा-जोखा प्रस्तुत करने का अधिकार भी दिया। सर्वप्रथम पूर्व में की गई बैठकों में लिए गए फैसले का विचार किया। साथ ही जरूरी दिशा निर्देश भी सांझा किए। सबसे पहले लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए मार्च माह का समस्त रिकार्ड रोशनलाल ने प्रस्तुत किया व सभी को बताया। बैठक में महीने में प्राप्त सहायता राशि व खर्च विवरण दिया गया। इस मीटिंग में गत माह का सारा विवरण देते हुए स्पष्ट रूप से सभी लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इसके अलावा बैठक में 14 अप्रैल को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 133वीं जयंती सामारोह मनाने पर विचार-विमर्श किया गया। जिस पर सभी उपस्थित सदस्यों ने चर्चा कर जयंती को धूमधाम से आयोजित करने की सहमति दी। इसके लिए विभिन्न सदस्यों को आवश्यकतानुसार जिम्मेवारियां दी। समारोह में मुख्यातिथि, अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि आदि चयनित करने की सलाह दी तथा अन्य आवश्यक तैयारियों को समय पर पूरी करने की सहमति बनी। इस प्रकार यह एजेंडा भी पास हुआ। इस अवसर पर पन्नीलाल माजरा खुर्द, अमरसिंह निम्बहेड़ा, भूपसिंह फोगाट, बादाम सिंह, संतलाल, सुभाषचंद्र, सुरेशचंद्र सरोहा आदि मौजूद रहे।

किसानों के अधिकार व मतदान के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ किसानों को पराली जलाने के नुकसान बताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करती अधिवक्ता गिरिबाला यादव। फोटो : हरिभूमि

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष डा. वीरेंद्र प्रसाद के दिशा निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को गांव दौचाना में पराली जलाने से होने वाले नुकसान, किसानों के अधिकार व मतदान के बारे में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैनल अधिवक्ता गिरीबाला यादव व कृषि विभाग से सुपरवाइजर शीशपाल ने किसानों से आग्रह किया कि अपने खेतों में पराली ना जलाएं। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से प्रदूषण का स्तर काफी हद तक बढ़ता है इतना ही नहीं इसका असर मिट्टी की उर्वरता पर भी पड़ता है। पराली को जलाने की बजाय खेत में ही मिला दें। उन्होंने मतदान के अधिकार, लोक अदालत, मध्यस्थता, सुलह केंद्र तथा हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 और नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी।

भारतीय रक्षा में तटरक्षक विभाग की भूमिका विषय पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। भारतीय तटरक्षक विभाग के रिटायर्ड आईजी कुलदीप सिंह श्योराण को सम्मानित करते प्राचार्य ज्ञानचंद राणा। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महिला महाविद्यालय में महाविद्यालय की छात्राओं के लिए सोमवार को सैन्य विज्ञान विभाग के तत्वाधान में एक उपयोगी विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। विस्तृत व्याख्यान के मुख्य वक्ता भारतीय तटरक्षक विभाग से रिटायर्ड आईजी कुलदीप सिंह श्योराण रहे। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर ज्ञानचंद राणा ने मुख्य वक्ता के परिचय में बताया कि आईजी कुलदीप सिंह अपने सैन्य करियर में भारतीय तटरक्षक विभाग में कई अति महत्वपूर्ण पदों पर रहे, जिसके लिए उन्हें भारतीय सैन्य विभाग से कई सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें तटरक्षक मेडल तथा राष्ट्रपति तटरक्षक मेडल उल्लेखनीय है।

मुख्य वक्ता ने अपने वर्षों के सैन्य अनुभव को सांझा करते हुए भारतीय रक्षा में तटरक्षक विभाग की भूमिका विषय पर छात्राओं का ज्ञानवर्धन किया। इस विषय के अंतर्गत उन्होंने भारतीय तटरक्षा के कर्तव्य और कार्य, फोर्स लेवल, मिशन, अतिरिक्त जिम्मेदारियां आदि विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं के लिए तटरक्षक विभाग में करियर की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इस कार्यक्रम के आयोजन में सैन्य विज्ञान विभाग से डॉ. विक्रम कुमार तथा डॉ. नरेश कुमार का सक्रिय योगदान रहा। सैन्य विज्ञान विभाग से ही रिटायर्ड प्राचार्य डॉ. दिलीप सिंह तथा डॉ. देशराज की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

नि:शुल्क नेत्र जांच कैंप का 138 ने उठाया लाभ

■ आंखों की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें : डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नेत्र रोगियों को संबोधित करती डॉ. पवित्रा राव। फोटो : हरिभूमि

गांव खातोदड़ा में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में हस्ती देवी जन कल्याणार्थ समिति की ओर से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ समिति चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व माता बिमला देवी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सरपंच कृष्ण कुमार ने की। देर शाम तक चले शिविर में एक 138 नेत्र पीड़ितों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। इस दौरान समिति की ओर से नेत्र पीड़ितों को दवाइयां भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाई गई तथा फल बांटे गए। समिति चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आंखे है तो जहान है। हमें समय-समय पर अपनी आंखों की जांच करवाते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस का मुख्य उद्देश्य मानव को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आंखों की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। समय-समय पर अपने आंखों की जांच करवानी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्राम सरपंच कृष्ण कुमार ने गांव में नि:शुल्क शिविर लगाने पर हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति का आभार जताते हुए इसे सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर से उन लोगों को भी लाभ मिलता है जो किसी कारणवश समय पर अपनी आंखों की जांच नहीं करवा पाते। इस मौके पर ग्रामीण रामेश्वर दयाल ने भी शिविर के सफल आयोजन के लिए समिति का आभार जताया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार से जनकल्याण के कार्यों में सक्रीय भागीदारी की कामना की।

अटाली में पौधारोपण कर मनाया जन्मदिन

■ स्वस्थ जीवन जीने के लिए पेड़-पौधों की करें देखभाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। अटाली में जन्मदिन पर पौधा भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण के लिए क्षेत्र के गांव अटाली निवासी सोनाली पत्नी सतीश कुमार ने अपने बेटे सुदीप के जन्मदिन पर अपने गांव में पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इस मौके पर मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल ग्रुप सदस्य अनूप रिवासा, मास्टर ओमप्रकाश खनगवाल, महासिंह, डॉ. वेदपाल व राजेश ने बेटे सुदीप को पौधा भेंट करके उसके उज्ज्वल भविष्य व दीर्घायु होने की कामना की। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए मास्टर ओमप्रकाश छापड़ा सलीमपुर व अनूप रिवासा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिये हर व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिये। आज औद्योगिकरण के कारण वन क्षेत्र लगातार घट रहा है, जिस कारण प्राकृतिक असंतुलन पैदा हो गया है। आधुनिक मानव अपनी वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करने में लगा हुआ है। उसे भविष्य की चिंता नहीं है। इस अवसर पर पौधारोपण करना चाहिए, ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे। इस मौके पर शादीराम, हरिराम शर्मा, पवन खायरा, महासिंह, डॉ. वेदपाल, राजेश, अशोक बेरी व संदीप आदि ग्रामवासी उपस्थित थे।

नारनौल। भारती स्कूल में छात्रा को सम्मानित करता स्कूल स्टॉफ। फोटो : हरिभूमि

कॉमर्स टैलेंट सर्च एग्जाम में दिव्या गर्ग ने राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त किया दूसरा स्थान, स्कूल ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

■ विजेता को दी शुभकामनाएं

शहर में कुलताजपुर रोड स्थित भारती पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने कॉमर्स टैलेंट सर्च एग्जाम में बेहतर प्रदर्शन किया है। संस्था के कॉमर्स संकाय के एचओडी राजेश गोयल ने बताया कि इस एग्जाम में स्कूल के 58 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की। जिसमें दिव्या गर्ग ने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा परी गोयल ने तृतीय, अक्षिता संघी व अनन्या ने आठवां स्थान प्राप्त किया। वहीं छवि गोयल ने 11वीं रैंक, चिराग ने 13वीं रैंक, परी गुप्ता ने 16वीं रैंक हासिल की। जिस पर संस्था वाइस चेयरमैन कमल संघी व सह-सचिव डा. कर्ण चौधरी ने सभी विजेताओं को समारोह में सम्मानित किया। संस्था प्रिंसिपल उदयभान राव ने सभी अध्यापकों, अभिभावकों व विजेता छात्र-छात्राओं को बीपीएस का गौरव बढ़ाने के लिए बधाई दी। विजेता विद्यार्थियों को साइकिल, एंड्रॉइड मोबाइल फोन, डिजिटल वॉच देकर सम्मानित किया गया।

श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा नवसंवत पर करेगी हवन: नारनौल। विक्रमी संवत 2081 के प्रारंभ होने के शुभ अवसर पर श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा हवन का आयोजन करेगी। सभा के महासचिव कृष्ण कुमार शर्मा

सूचना

मै ज्योति पुत्र तेजपाल वासी वार्ड नं. 03 कनीना तह. कनीना जिला महेंद्रगढ बयान करती हूं कि मेरी दसवीं की सर्टिफिकेट में मेरी जन्म तिथि गलती से 29.10.2005 दर्ज हो गई है जबकि मेरे जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार मेरी जन्म तिथि 29.10.2004 है जो कि सही है। नियमानुसार सर्टिफिकेट में ठीक करने का कष्ट करें।

सूचना

मैं, नं. 2890513एफ एक्स हवलदार सुनील कुमार पुत्र मोहिन्दर सिंह निवासी खेड़ी तलवाना, तहसील- कनीना, जिला- महेंद्रगढ़ (हरियाणा) बयान करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम केसव कुमार है। जो गलत है। उसका सही नाम केशव कुमार है।

सूचना

मैं, देवी दत्त पुत्र श्री हरफूल सिंह निवासी मौ. नेहरू नगर, (गडवा) तहसील नांगल चौधरी, जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र सुमित कुमार व मेरी पुत्रवधु श्रीमती बबीता मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सुबोध गोस्वामी प्रधान पद पर नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

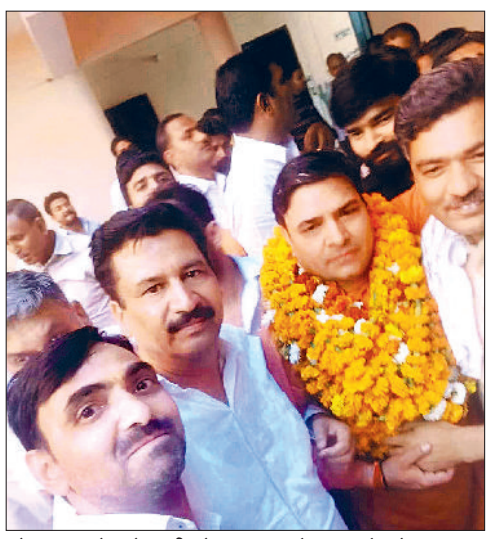

महेंद्रगढ़। सुबोध गोस्वामी को माला पहनाते समाज के लोग।

हरियाणा दशनाम गोस्वामी समाज के चुनाव की प्रक्रिया गोस्वामी धर्मशाला कुरुक्षेत्र में आयोजित की गई, जिसमें गोस्वामी समाज के 21 जिलों के प्रधानों ने चुनाव में हिस्सा लिया। चुनाव की अध्यक्षता डॉ. महेश गिरी ने की। जिसमें 21 जिलों के प्रधानों में से सुबोध गोस्वामी को 16 मत प्राप्त कर विजयी हुए।

सुबोध गिरी ने कहा कि हम पूरे समाज को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य करेंगे। साथ ही हमारे समाज के उत्थान और प्रगति के लिए हर क्षेत्र, हर दिशा में कार्य करेंगे। इस मौके पर गोस्वामी समाज के पूर्व प्रधान भागमल गोस्वामी, वर्तमान प्रधान गोविंद गोस्वामी, सुंदरलाल बाघोत, आशीष, धर्मेंद्र नारनौल, सीताराम भड़फ, मनफूल भड़फ, संदीप कपूरी, सुरेश गोस्वामी, ईश्वर गोस्वामी व सतीश कुमार आदि उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने को प्रशासन अलर्ट, हेल्पलाइन नंबर 181 व 100 पर दें सूचना

■ बाल विवाह रोकने में आमजन सहयोग करें : सरिता शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। बाल विवाह न करने के बारे में जानकारी देती सरिता शर्मा। फोटो : हरिभूमि

संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को बाल विवाह रोकने के लिए नायन, नियामतपुर व नांगल चौधरी राजकीय विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वह इस सामाजिक मुद्दे पर गंभीरता के साथ विचार करें। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा ने कहा कि बाल विवाह कानूनी अपराध है। अक्षय तृतीया पर जिले में बाल विवाह की आशंका को लेकर प्रशासन अलर्ट है। इस पर रोक लगाने के लिए आमजन का सहयोग भी जरूरी है। सभी नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की सूचना कोई भी हेल्पलाइन नंबर 181 अथवा 100 नम्बर पर दे सकता है। उन्होंने विवाह संपन्न करवाने वाले पंडितों, मौलवी व पादरी से भी आह्वान किया कि शादी सम्पन्न करवाते हुए लड़का-लड़की की उम्र का विशेष ध्यान रखें। अगर शादी के समय लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम व लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम है तो इसकी सूचना प्रशासन को देकर शादी रूकवाने में प्रशासन का सहयोग करें। शर्मा ने स्पष्ट किया कि जो बाल विवाह करवाता है।

खबर संक्षेप

नांगल चौधरी। स्कूल की छात्राओं को बाल विवाह रोकने के लिए प्रेरित करती सीडीपीओ सरिता शर्मा।

शरीर पर बैड टच की शिकायत करें छात्राएं

नांगल चौधरी। पीएम श्री गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्य रघुबीर पटेल की अध्यक्षता में बाल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बाल संरक्षण अधिकारी सुषमा व महिला बाल विकास अधिकारी सरिता शर्मा ने पोक्सो एक्ट से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की संस्कृति का प्रभाव बढ़ने से सामाजिक विकृतियां उत्पन्न होने लगी हैं। मर्यादाओं को छोड़कर लोगों ने अनैतिक कार्यों को अंजाम देना आरंभ कर दिया। जिस कारण बच्चों के साथ अश्लील छेड़छाड़ व शोषण की शिकायतें बढ़ गई हैं।

महेंद्रगढ़। राजनीतिक दलों के साथ बैठक करते एसडीएम संजीव कुमार।

एसडीएम ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

महेंद्रगढ़। एसडीएम एवं एआरओ संजीव कुमार ने सोमवार को लोकसभा चुनाव के संबंध में एसडीएम कार्यालय में राजनीतिक दलों के साथ बैठक ली। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लोकसभा आम चुनाव के मध्य नजर चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है। सभी राजनीतिक दल आचार संहिता की पालना करें। कोई भी ऐसा कार्य न करें, जिससे चुनाव आयोग के आदेशों का उल्लंघन हो। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल रैली, रोड-शो, गांवों में नुक्कड़ व सभा के लिए एआरओ से अनुमति लें।

नांगल चौधरी। विजेताओं को सम्मानित करते प्राचार्य डा. अनिल यादव।

क्विज में मनोज और राहुल बने विजेता

नांगल चौधरी। शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज में प्राचार्य डा. अनिल यादव की अध्यक्षता में भूगोल व राजनीति शास्त्र पर आधारित क्विज प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को प्राचार्य ने प्रशांसा पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्हें भूगोल विषय की नॉलेज का दैनिक जीवन में प्रयोग करने का संदेश दिया, ताकि किसानों को कृषि व जलवायु संबंधी मदद मिल सकें।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एकमात्र पूंजी है जिसे जितना खर्च किया जाएगा उतना विस्तार होगा। किताबी नॉलेज का धरातल पर इस्तेमाल करना ही वास्तविक शिक्षा है। भूगोल व राजनीति शास्त्र दोनों विषय ही समाज को विकसित व एकजुट रखने में मददगार हैं। भूगोल विषय से जलवायु व मिट्टी की क्वालिटी का ज्ञान होता है।

लोस चुनाव: मिथ व रियलिटी पोर्टल पर मिलेगी प्रमाणित्र जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गलत सूचना व फर्जी खबरों का प्रसार आज के डिजिटल युग में एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गया है। चुनाव जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों के दौरान यह विषय और भी गंभीर हो जाता है। इसी गंभीरता को देखते हुए भारतीय चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के दौरान गलत व भ्रमक सूचनाओं को रोकने के लिए मिथ व रियलिटी पोर्टल लॉन्च किया है। यह जानकारी देते हुए भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि आयोग की तरफ से जारी एमवाईटीएच वीएस रियलटी रजिस्टर लांच किया है। इस प्लेटफॉर्म पर चुनाव से संबंधित केवल सत्यापित व सत्य सूचनाएं ही प्रसारित होगी तथा गलत सूचनाओं को यह पोर्टल फिल्टर करने का काम करेगा।

अलग खबर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली भ्रामक जानकारी रोकने में मिलेगी मदद

नियमित अपडेट होगा रजिस्टर

उपायुक्त ने बताया कि यह रजिस्टर पहले से ही उजागर चुनाव संबंधी फर्जी जानकारी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाले संभावित मिथक जानकारियों, महत्वपूर्ण विषयों पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न व सभी हितधारकों के लिए विभिन्न अनुभागों के तहत संदर्भ सामग्री प्रदान करता है। रजिस्टर को नियमित आधार पर अपडेट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी हितधारकों को किसी भी चैनल के माध्यम से प्राप्त किसी भी संदिग्ध जानकारी को एमवाईटीएच वीएस रियलटी रजिस्टर में दी गई जानकारी से सत्यापित व पुष्टि करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्लेटफॉर्म का उपयोग जानकारी को सत्यापित करने, गलत सूचना के प्रसार को रोकने, मिथक जानकारियों को दूर करने और लोकसभा आम चुनाव के दौरान प्रमुख मुद्दों के बारे में सूचित करने के लिए किया जाएगा। उपयोगकर्ता रजिस्टर से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी जानकारी साझा कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि लोकसभा आम चुनावों के दौरान चुनावी प्रक्रिया की गरिमा को बनाए रखने के लिए गलत सूचना के प्रचार-प्रसार रोकना अहम कार्य है। ईसीआई की तरफ से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एमवाईटीएच वीएस रियलटी रजिस्टर लॉन्च किया है। यह एक वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म है, जो भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट एमवाईटीएच वीएस आरईएएलआईटीवाई डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन पर जनता के लिए उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि यह पहल चुनावी प्रक्रिया को गलत सूचना से बचाने के लिए ईसीआई के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस नाम से सोशल मीडिया पर पेज भी बनाए गए हैं। जहां सटीक व प्रमाणिक सूचनाओं को पोस्ट किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसे उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रारूप में डिजाइन किया गया है, जो व्यापक रूप से ईवीएम, वीवीपीएटी, मतदाता सूची, मतदाता सेवाओं, चुनावों के संचालन व अन्य विषयों से संबंधित मिथक जानकारियों और गलत सूचनाओं के क्षेत्रों को कवर करता है।

ग्रामीणों ने सांसद को सौंपा था 17 सूत्री मांगपत्र

सांसद ने की थी घोषणाएं, फिर भी गांव की मांगें नहीं हुई पूरी

- सांसद के गोद लेने के बाद भी गलियों बनाने तक हुआ विकास कार्य
- सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के अपने पहले कार्यकाल में गांव दौंगड़ा अहीर को गोद लेने से जागी थी उम्मीदें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने जब पहले कार्यकाल के दौरान गांव दौंगड़ा अहीर को गोद लिया था, उस दिन ग्रामीणों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि शहर की तर्ज पर उनके गांव में भी सभी समस्याएं उपलब्ध होगी, लेकिन दो योजना बीतने के बाद सांसद द्वारा की गई घोषणाएं धरातल पर नहीं उतर पाई। गांव में विकास पर के नाम केवल महज कुछ गलियां पक्की हुई हैं। गांव में सीवरेज लाईन लीकेज व अनेक गलियां कच्ची होने सहित अनेक समस्याएं हैं। ग्रामीणों की मानें तो जब चौधरी धर्मबीर सिंह सांसद बनने के बाद पहली बार गांव में आए थे, तक ग्राम पंचायत की ओर से 17 सूत्री मांग पत्र सौंपा। उनमें से पंचायत भवन व सामुदायिक भवन जैसी मांग पर कोई अमल नहीं हुआ। वहीं सांसद की ओर से गांव को उपतहसील का दर्जा देने, महिला कॉलेज बनाने, खेल स्टेडियम बनाने, गांव को वाईफाई युक्त करने तथा स्वीमिंग पुल बनाने जैसी योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। ग्रामीण गांव उपतहसील का दर्जा देने जैसी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। हालांकि महिला कॉलेज पास लगते गांव सिहमा में खुल गया। पिछले वर्ष मुख्यमंत्री की ओर गांव सिहमा को उपतहसील का दर्जा देने पर दौंगड़ा अहीर के ग्रामीणों ने काफी हंगामा भी किया था। इसके अलावा गांव में करीब दो साल पहले जनस्वास्थ विभाग द्वारा पानी की पाइप लाइन बिछाने के लिए तोड़ी गई गलियों को नहीं बनाने से ग्रामीणों को भारी परेशानी से जूझना पड़ रहा है। रात के समय टूटी गलियों से निकलना दूभर बना हुआ है तथा घरों तक वाहन नहीं जा पा रहे है।

महेंद्रगढ़। गांव के मुख्य मार्ग पर भरा पानी। फोटो : हरिभूमि

सांसद के अधिकांश घोषणाएं अधूरी

ग्रामीण शेरसिंह ने बताया कि सांसद ने उस समय काफी घोषणाएं की थी, लेकिन अधिकांश घोषणाएं अधूरी हैं। गांव के विकास के नाम पर महज कुछ गलियों का निर्माण हुआ है। वर्तमान में गांव की काफी गलियां कच्ची है तथा पेयजल लाईन लीकेज होने के कारण जलभराव की समस्या रहती है। सांसद ने लंबे समय से गांव में नहीं आए है। गांव में बनी व्यायामशाला की हालात भी खस्ता है।

उपतहसील बनने से ग्रामीणों को होगा फायदा

ग्रामीण नरेंद्र कुमार ने बताया कि गांव को उपतहसील का दर्जा देने की गांव की बहुत पुरानी मांग है। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह अन्य नेताओं ने ग्रामीणों को गांव में उपतहसील बनाने का कई बार आश्वासन दे चुके है, लेकिन अभी तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई। गांव के लोगों की गांव भालखी में भी जमीन है। भालखी का महेंद्रगढ़ खंड में आता है तथा तहसील कनीना में है। ऐसे में ग्रामीणों को जमीन संबंधित काम करवाने के लिए काफी चक्कर लगाने पड़ते हैं।

पड़ोसी गांव में खोल दिया महिला कॉलेज

ग्रामीण शिवदीप सिंह ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान गांव महिला कॉलेज बनाने की घोषणा की थी। सांसद ने जब गांव को गोद लिया था तब ग्रामीण को उम्मीद थी कि गांव महिला कॉलेज बन जाएगा। सरकार की ओर से दौंगड़ा अहीर की जगह गांव सिहमा में महिला कॉलेज खोल दिया गया। इसके पीछे सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की कमी है।

खेल स्टेडियम बनने का सपना भी अधूरा

ग्रामीण कर्णसिंह ने बताया कि गांव काफी बड़ा खेल मैदान है, जिसमें आसपास के गांवों के युवा सेना की भर्ती के लिए तैयारी करने के लिए आते है। सांसद ने जब गांव को गोद लिया, उस समय उनके समक्ष खेल स्टेडियम बनने की मांग रखी थी। उस समय सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने भी गांव खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक गांव खेल स्टेडियम नहीं बन पाया है।

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. पलानीसामी शिवानंदी।

शोधकर्ताओं व छात्रों की विशेषज्ञों से चर्चा जरूरी

- हकेंवि में फार्माको विजिलेंस व रोगी सुरक्षा पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा फार्माकोविजिलेंस, एडीआर और रोगी सुरक्षा पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने फार्माको विजिलेंस के क्षेत्र में अपना करियर तलाशने के लिए विशेष रूप से एमफार्मा के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की सराहना की।

शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विशेषज्ञों से संवाद के लिए भविष्य में भी ऐसी विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. पलानीसामी शिवानंदी ने वर्तमान परिदृश्य के दौरान फार्माको विजिलेंस के महत्व पर विशेषज्ञ वार्ता दी। इसके अलावा उन्होंने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) रिपोर्टिंग और निगरानी में स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में रोगी सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि फार्माकोविजिलेंस और एडीआर मॉनिटरिंग दवा और टीकों की सुरक्षा सुनिश्चित करके स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे ने कहा कि यह विशेषज्ञ वार्ता विशेष रूप से एम फार्म के विद्यार्थियों और फार्मास्युटिकल साइंसेज के पीएचडी शोधार्थियों के लिए आयोजित की गई। इस आयोजन में संकाय सदस्य डॉ. सुमित कुमार, डॉ. अशोक जांगड़ा और डॉ. तरूण कुमार ने सक्रिय भागीदारी की। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी फार्माकोविजिलेंस और रोगी सुरक्षा के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए सत्र में शामिल हुए।

21 को नांगल चौधरी में मुख्यमंत्री

- सिंचाई राज्यमंत्री डा. अभय सिंह यादव व सांसद प्रत्याशी धर्मबीर सिंह संयुक्त रूप से चलाएंगे जनसंपर्क अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी हलके में 21 अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चुनावी जनसभा करेंगे। जिसमें प्रत्याशी चौधरी धर्मबीर सिंह के लिए समर्थन मांगेंगे व पार्टी की नीतियों से जनता को अवगत करवाएंगे। सिंचाई एवं अर्द्ध सैनिक कल्याण राज्यमंत्री डा. अभय सिंह यादव ने प्रेसवार्ता में दी। इस दौरान पार्टी के प्रत्याशी चौ. धर्मबीर सिंह, जिला प्रधान दयाराम यादव, पूर्व जिला प्रधान शिवकुमार मेहता मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा एक राजनीतिक दल ही नहीं, अपितू लोगों की विचारधारा है। जिसमें देश, सुरक्षा, संस्कृति व सनातनी मानसिकता को प्राथमिकता मिलती है। विश्व के सबसे बड़े दल बीजेपी में शामिल होने वालों की लंबी कतार है, यानी की विपक्ष के बड़े नेता भी उत्तावले हैं। लोकप्रियता के चलते पार्टी को 400 से अधिक सीटें मिलेंगी। जिससे विपक्ष दलों की नींद उड़ी हुई है। बौखलाहट में बेतुके बयानबाजी करके जनता का ध्यान भटकाना चाहते हैं, लेकिन जनता अब बहकावे में आने वाली नहीं।

नांगल चौधरी। प्रेसवार्ता में पार्टी की नीतियों से अवगत करवाते राज्यमंत्री डा. अभय सिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

डब्ल्यूएचओ का लक्ष्य स्वास्थ्य सुविधाएं देना

नारनौल। नागरिक अस्पताल में डा. पंकज यादव की अध्यक्षता में माई हेल्थ माई राईट थीम पर विश्व स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का लक्ष्य दुनिया के सभी हिस्सों में वित्तीय सहायता, दवाओं या आवश्यक क्षेत्र में विशेषज्ञों के रूप में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने के लिए हर साल सात अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। हर साल कोई न कोई नई बीमारी सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं व महामारियों पर अंकुश लगाने के लिए हर साल एक स्पष्ट विषय बनाता है। इस बार का विषय माई हैल्थ माई राईट है।

जागरूकता से ही बचाव संभव

- कृष्णनगर कॉलेज में साइबर क्राइम जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय महाविद्यालय कृष्ण नगर में राष्ट्रीय सेवा योजना व रोड सेफ्टी क्लब के तत्वावधान में सोमवार को साइबर क्राइम पर जागरूकता के लिए एक वक्तव्य का आयोजन किया गया। इंस्पेक्टर मीनाक्षी शर्मा ने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक किया। साइबर क्राइम एक ऐसा गैर-कानूनी कार्य होता है, जिसमें सूचना तकनीक या कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है। इसके अंतर्गत किसी बैंक के खाताधारकों के अकाउंट से दूसरे अकाउंट में पैसे स्थानांतरित करना, किसी व्यक्ति के क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी चुराकर उसका दुरूपयोग करना आदि कार्य सम्मिलित किए जाते हैं।

दुनिया में ई-कॉमर्स की अधिकता है, इसलिए साइबर हमले की प्रति जागरूक रहना आवश्यक है। वर्तमान डिजिटल युग में व्यक्ति अपने कम्प्यूटर, फोन व अन्य उपकरणों को हैकिंग और घोटाले जैसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों से बचाने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों का उपयोग महत्वपूर्ण है। साइबर सुरक्षा के लिए टोल फ्री नंबर 1930 का उपयोग कर सकते हैं।

नारनौल। कृष्णनगर कॉलेज में विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करती इंस्पेक्टर मीनाक्षी शर्मा। फोटो : हरिभूमि

बच्चों का आधार कार्ड में नाम अवश्य दर्ज करवाएं: रवि

महेंद्रगढ़। सरकार की तरफ से परिवार पहचान पत्र के माध्यम से लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है, लेकिन काफी लोग अभी भी अपने परिवार पहचान पत्र में त्रुटियों को ठीक नहीं करवाकर योजनाओं के लाभ से वंचित है। क्षेत्रीय प्रबंधक रवि कुमार ने बताया कि परिवार पहचान पत्र में एक फैमिली आईडी में एक ही मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड होना चाहिए। अगर परिवार में दो फैमिली आईडी एक ही नंबर से रजिस्टर्ड है तो वह अपनी फैमिली आईडी में दूसरे नंबर दर्ज करवाएं, ताकि उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। वहीं परिवार पहचान पत्र में बच्चों के नाम दर्ज करवाने से पहले आधार कार्ड में नाम अपडेट करवाए, ताकि फैमिली आईडी में नाम दर्ज हो सके और उन्हें समस्या नहीं आए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

सखी

दूध व मिठाई विक्रेताओं को अपनी दुकानों का पंजीकरण करवाना जरूरी: एडीसी

फूड सेफ्टी एक्ट का अनुपालन नहीं करने पर कार्रवाई, 14 मिसब्रांडेड, नौ अवमानक, तीन अपंजीकृत के केसों में 7.29 लाख के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की देखरेख में प्रदेश में फूड सेफ्टी एक्ट लागू है। ऐसे में दूध व मिठाई विक्रताओं को अपनी दुकानों का पंजीकरण करवाना जरूरी है। जिले में अप्रैल माह में अब तक फूड एंड सेफ्टी कोर्ट के केसों में सात लाख 29 हजार 483 रुपये का चालान किया गया। इनमें 14 मिसब्रांडेड, नौ अवमानक व तीन अपंजीकृत के केस शामिल हैं। इससे पहले मार्च माह में एडीसी ने नौ लाख 46 हजार 487 रुपये के चालान किए थे। यह जानकारी देते हुए अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने बताया कि फूड सेफ्टी एक्ट के तहत दुकानदारों का लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन जरूरी है। बिना लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन के कोई भी दुकानदार कारोबार नहीं कर सकेगा। दुकान पंजीकृत करवाने के लिए एफओएससीओएस डॉट एफएसएसएआई डॉट जीओवी डॉट इन पर आवेदन किया जा सकता है। एडीसी ने बताया कि बिना लाइसेंस व्यापार करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस कानून के दायरे में खाद्य पदार्थों के निर्माता, पैकर्स, थोक व सौ फीसदी निर्यात व आयात करने वाली इकाइयां, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब, कैंटीन, मिठाई, आइसक्रीम सहित अन्य छोटी दुकान, कैटरर्स, खाद्य पदार्थों का परिवहन व भंडारण करने वाले, प्रोसेसिंग इकाइयां (पैक या पुन पैक करने वाले) एक्ट के दायरे में आते हैं। इसमें केवल वे किसान हद के बाहर रखे गए हैं, जो खेत से ही खाद्यान्न का बिक्री का धंधा करते हैं।

- दुकानदारों का रजिस्ट्रेशन व लाइसेंस लेना आवश्य, अन्यथा नहीं कर सकेंगे कारोबार

डीसी दीपक बाबूलाल करवा।